

अध्याय - 9 | वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसमी प्रणालियाँ

QUIZ PART-04

1. एल-निनो घटना किस महासागर से संबंधित है?

- A. अटलांटिक महासागर
- B. हिंद महासागर
- C. प्रशांत महासागर
- D. आर्कटिक महासागर (C)

व्याख्या: एल-निनो प्रशांत महासागर में गर्म जल के असामान्य प्रसार से संबंधित है।

2. एल-निनो के दौरान क्या होता है?

- A. पेरू तट पर ठंडा पानी बढ़ता है
- B. पेरू तट पर गर्म जल आता है
- C. ऑस्ट्रेलिया में वर्षा बढ़ती है
- D. मानसून तेज होता है (B)

व्याख्या: एल-निनो में मध्य प्रशांत का गर्म जल पेरू की ठंडी धारा का स्थान ले लेता है।

3. दक्षिणी दोलन (Southern Oscillation) किससे संबंधित है?

- A. तापमान में परिवर्तन
- B. वायुदाब में परिवर्तन
- C. समुद्री लवणता
- D. वायु नमी में वृद्धि (B)

व्याख्या: दक्षिणी दोलन प्रशांत महासागर के ऊपर वायुदाब में परिवर्तन को दर्शाता है।

4. ENSO किसका संयुक्त प्रभाव है?

- A. एल-निनो + हिंद महासागर
- B. एल-निनो + दक्षिणी दोलन
- C. मानसून + पवन दिशा
- D. महासागरीय धाराएँ + तापमान (B)

व्याख्या: ENSO = El-Nino + Southern Oscillation का संयुक्त प्रभाव है।

5. एल-निनो के दौरान भारत में क्या प्रभाव पड़ता है?

- A. अधिक वर्षा
- B. सामान्य वर्षा
- C. कम वर्षा व अकाल की संभावना
- D. बाढ़ (C)

व्याख्या: एल-निनो की स्थिति में भारत में प्रायः कम वर्षा व सूखा पड़ता है।

6. समुद्र समीर कब प्रवाहित होती है?

- A. रात में
- B. दिन में
- C. सर्दियों में
- D. मानसून में (B)

व्याख्या: दिन में स्थल अधिक गर्म होकर निम्न दाब बनाता है, इसलिए समुद्र से स्थल की ओर पवन बहती है।

7. स्थल समीर कब प्रवाहित होती है?

- A. दिन में
- B. रात में
- C. वर्षा ऋतु में
- D. दोपहर में (B)

व्याख्या: रात में स्थल शीघ्र ठंडा होकर उच्च दाब बनाता है, इसलिए पवन स्थल से समुद्र की ओर बहती है।

8. घाटी समीर कब बनती है?

- A. रात में
- B. दिन में
- C. सर्दियों में
- D. मानसून में (B)

व्याख्या: दिन में घाटियों की वायु गर्म होकर ऊपर उठती है और ढालों पर चढ़ती है — यह घाटी समीर है।

9. पर्वत समीर किस समय बनती है?

- A. दिन में
- B. रात में
- C. दोपहर में
- D. मानसून में (B)

व्याख्या: रात में पहाड़ी ढाल ठंडी होती है और भारी वायु घाटियों की ओर बहती है — यह पर्वत समीर है।

10. अवरोही पवनें कहाँ से उत्पन्न होती हैं?

- A. समुद्र सतह से
- B. उच्च पठारों व पर्वतीय ढालों से
- C. मैदानों से
- D. जंगलों से (B)

व्याख्या: ठंडी व भारी वायु ऊँचे पठारों व पर्वतीय ढालों से घाटियों की ओर बहती है — इसे अवरोही पवन कहते हैं।